

२१. निधार्थन विद्वत्

आशा मरुति

ASHA ANCHI

3174

२५५०२

१॥ इक न दशानना ॥ ४॥ मंत्र ००२

२१. नित्यार्थनं विविधो

आशा आशी
ASHA ANCHI

3174

गुह्यमद ॥ जखंदमदनाकालं
छं नमगी ॥ सुदवताये ॥ ॥ जथनिथे कस्मविधि ॥
मालकातालनाचका ॥ नासिया ॥ कां ज्ञात्मन त्वायस्
हा ॥ किंविद्यात त्वाय स्वाहा ॥ कां गिवत त्वाय स्वाहा ॥ ॥
सूर्यार्धयाय ॥ कां किंसगी सूर्याय जर्धे नम ॥ यथ
नम ॥ ज्ञासन तय ॥ बलिहा ॥ यदमासनाय नम ॥
जर्धयाय ॥ यज्ञासनाय नम ॥ थडाततय ॥ कर्मा

सनायनम॥ ॥ **ऊँ** **उ** **ख** **उ** **आ** **वि** **त** **न** **न** **का** **ज** **घा** **सं**
तय॥ **ऊँ** **ज** **स्वा** **य** **रु** **ह**॥ **व** **ई** **म** **कू** **त** **मू** **डा** **न** **खा** **न** **स** **ति**
का **न** **चा** **य**॥ **नं** **ई** **रु** **ह** **स्वा** **हा**॥ **द** **स** **दा** **न** **धि** **य**॥ **च** **न** **र**
म **कू** **ल** **कू** **ल** **म** **च** **न** **ई** **रु** **ह** **स्वा** **हा**॥ **न्या** **स** **चा** **य**॥
 गुं **गु** **त्र** **व** **न** **म**॥ **गं** **ग** **ध** **य** **न** **च** **न** **म**॥ **ह्रीं** **सूं** **गी**
ं **सू** **द** **व** **ना** **थ** **न** **म**॥ **ऊँ** **ज** **स्वा** **य** **रु** **ह** **सु** **सु** **१०**

द्रा **य** **ति** **य**॥ **नं** **१०** **नं** **१०** **नं** **१०**॥ **आ** **च** **त** **न** **ना** **हा** **ति** **स**
व **य**॥ **ऊँ** **ज** **स्वा** **य** **रु** **ह**॥ **कां** **जं** **गु** **स्वा** **यां** **न** **म**॥ **किं** **त** **ई**
नी **यां** **स्वा** **हा**॥ **कुं** **म** **श्च** **मा** **यां** **व** **ष** **ट्**॥ **के** **ज** **ना** **मि** **का** **यां**
दं॥ **कां** **क** **नि** **का** **यां** **वो** **ष** **ट्**॥ **ऊँ** **क** **न** **त** **न** **य** **स्वा** **यां** **ज**
स्वा **य** **रु** **ह**॥ **कां** **हि** **द** **या** **य** **न** **म**॥ **किं** **सि** **न** **भ** **स्वा** **हा**॥
कुं **सि** **स्वा** **य** **व** **ष** **ट्**॥ **ऊँ** **क** **व** **चा** **य** **दं**॥ **कां** **न** **ठ** **ठ** **या** **य** **वो**

॥ **सं** **नं** **१०** **व** **१०** **म** **नं** **१०**॥ **अ** **न**॥

षट् ॥ ऊज्झसारुट् १० ॥ ॥ **अर्घ्यायुक्ता** ॥ जां हि दया
 यनम ॥ किं सिनसखाहा ॥ दं सिखायेव षट् ॥ ऊकव
 वायदं ॥ ऊं नउउयायवो षट् ॥ ऊज्झसारुट् ॥ चन्द
 नाकृतयुष्यं नम ॥ **अन्मडादगंय** ॥ तानउयदिगव
 धनं ॥ **थलं खनदं वयुक्ता** ॥ थडातहाय ॥ **संखयुक्ता**
आसनतय ॥ जाकलसकथादिथानम ॥ **लंखतय** ॥

हसो वननायनम ॥ **वतस्यांजादितय** ॥ **हसो**
 वननयाउचन्दनाकृतयुष्यं नम ॥ जां ही दयायनम
 किं सिनसखाहा ॥ दं सिखायेव षट् ॥ ऊकवचायदं ॥
 ऊं नउउयायवो षट् ॥ ऊज्झसारुट् ॥ चन्दनाकृत
 युष्यं नम ॥ **संखमडादगंय** ॥ तालरुचदिगवंधनं ॥
थलं खनदं वयुक्ता ॥ थडातहाय ॥ **अर्घ्यायुक्ता**
 उर्थमध ॥ नयलं सोज्मृज्जमृज्जरेवमहायैकागयूकस्वाहा ॥

भोविद
 ॥ ३ ॥ क्षानि ॥ भोविद
 ॥ ३ ॥ यज्जा ॥ हसो ऊं वा दको यज्जामि ॥ ३ ॥
 ॥ १० ॥ यज्जा ॥ हसो ऊं वा दको यज्जामि ॥ ३ ॥
 ॥ ३ ॥

ठिकरसूत्रानधिकानधाय॥५॥ साँहिदयानम॥ सिं
सिंनसखाहा॥ सूँसिरवायेवषट्॥ सेकवचायदं॥ सो
नउउयायवोषट्॥ सज्जसायरुट्॥ चंदनाकृतय
थंनम॥ आनिमडादग्य॥ हनसुदि॥ नें, दिं, गी
हुँ, होँ, ह्योँ, हुँ, गी, दिं, नें॥ वाय॥ थलखनथडा
तहाय॥ आ॥ त्मयडा॥ चतननिरय॥ नेंचंदनं॥

नम॥ किंजुकुनंनम॥ गीसिंधुनंनम॥ हुँभाहनै
नम॥ ह्योयथंनम॥ सिससयडा॥ ५॥ नेंह्याँ
मुँगीग्वजात्मनगीयादकांयुडयामिनम॥ ॥ मुँ
मुँगुनर्थनं॥ गुदिकायाडा॥ गुँखाहागीगु
मुँगुनर्थयामिनम॥ शावलिसंतय॥ विंद॥ यं
च॥ वनि॥ वांव॥ कुकनाथयवलिंगुन२खाहा॥

ॐ कुरुयात्रायवलिंगं गुरुं स्वाहा ॥ ॐ ओं गिनीयावलिंगं
गुरुं स्वाहा ॥ ॐ चामुदायैवलिंगं गुरुं स्वाहा ॥ ॐ गं भय
नयथावलिंगं गुरुं स्वाहा ॥ **विंद ॥ आवाहनं ॥** नमोः
मूर्ति ~~...~~ श्रीकृद्विष्णवे श्रीकृद्विकेशी श्वरीदविभू
श्री आवाहयामिनम ॥ **उदवयुजा ॥** ननासनाय नमः
नमः ॥ ॐ कुरुयात्राय यादुकां यज्यामिनम ॥ व
लिंगं गुरुं स्वाहा ॥ मयूनासनाय नमः ॥ श्रीकिंकनय

उवतुकनाथाय यादुकां यज्यामिनम ॥ वलिंगं गुरुं
स्वाहा ॥ मखासनाय नमः ॥ गलंकुलगलेश्वराय यादु
कां यज्यामिनम ॥ वलिंगं गुरुं स्वाहा ॥ **दंद नकुनी ग**
जमुदा ॥ विंद ॥ आसन तय ॥ आकलसकथादिस्था
नमः ॥ नयदमासनाय नमः ॥ वृषासनाय नमः ॥ सिंहास
नाय नमः ॥ **यत स्वां जा कि ज्वा संख स थु दा डी स नां**

सनस ॥ याद्यादिचंदनाकृतयुष्मन्नम ॥ ज्योत्स्नलंखन
 य ॥ नं याद्यन्नम ॥ सखनतय ॥ नं ज्योत्स्नम ॥ ज्योत्स्नं ॥
 नं ज्योत्स्नमनीयं नम ॥ सखनं ॥ नं सनानीयं नम ॥ ॥
 चतुर्थां चक्राय ॥ ज्योत्स्नलितय ॥ नं किं गीहसुहसो
 ह्यां ज्ञानन्दसकिरेनवानन्दवीनाधियतयस्यु
 म्मीगीकृद्विकल्पलगीकृद्विकल्पनीदवीगी म्मीया
 र्शु

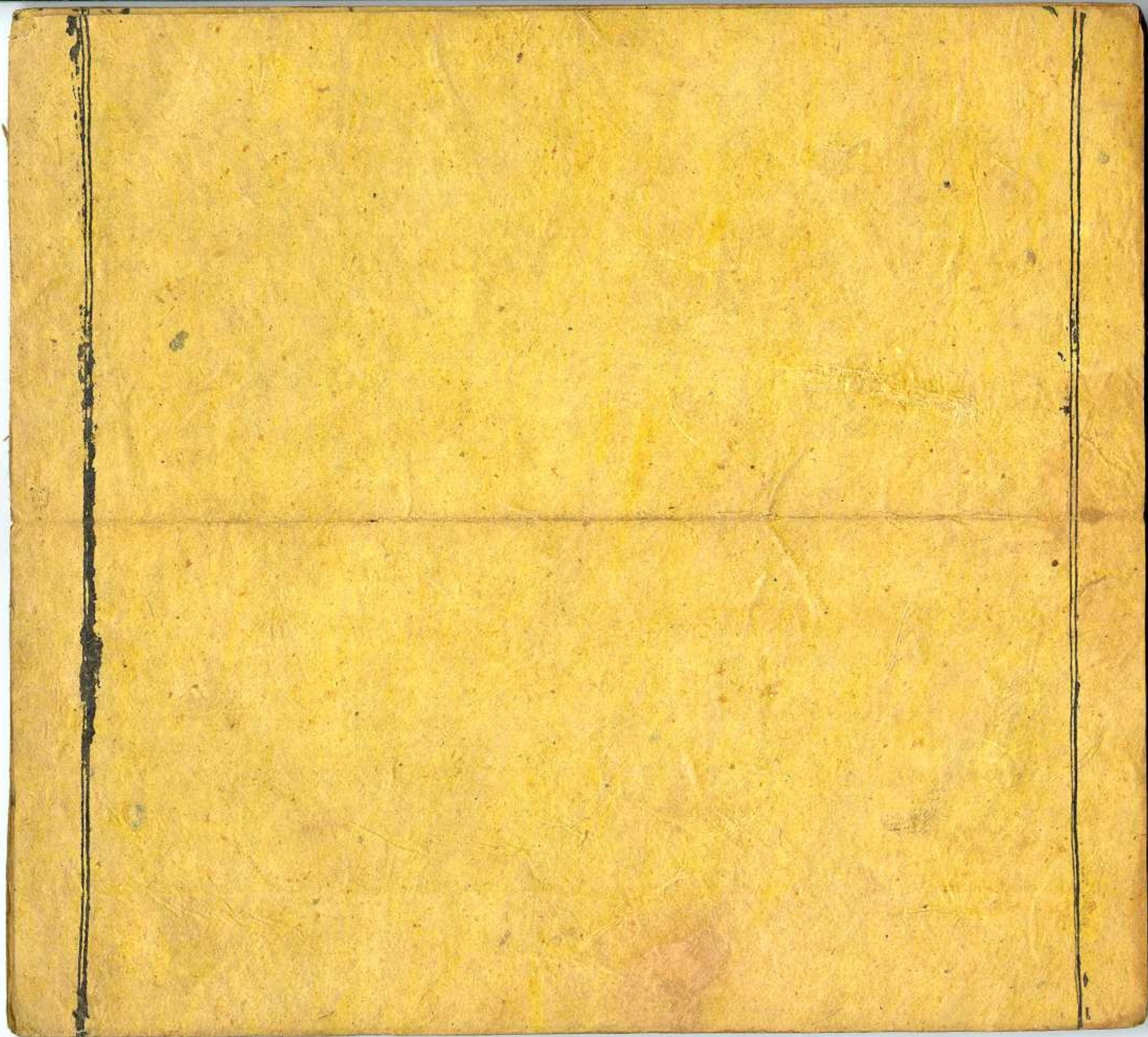
द्कां यज्यामिन्नम ॥ ३ ॥ वलिं गृह्णस्वाहा ॥ तिस्रं
 ज्ञानिमुद्रादग्य ॥ विन्द ॥ वलिम्भ ॥ क्रां कृत्वा
 यवलिं गृह्णस्वाहा ॥ वां वरुक्कनाथाय वलिं गृह्णस्वाहा ॥
 स्वाहा ॥ गं गद्यतयथा वलिं गृह्णस्वाहा ॥ चो जाम्
 दार्थे वलिं गृह्णस्वाहा ॥ ज्ञां ज्ञाग्निथा वलिं गृह्णस्वाहा
 हा ॥ द्रुं मार्हा कानाय वलिं गृह्णस्वाहा ॥ सर्वथा दर्व

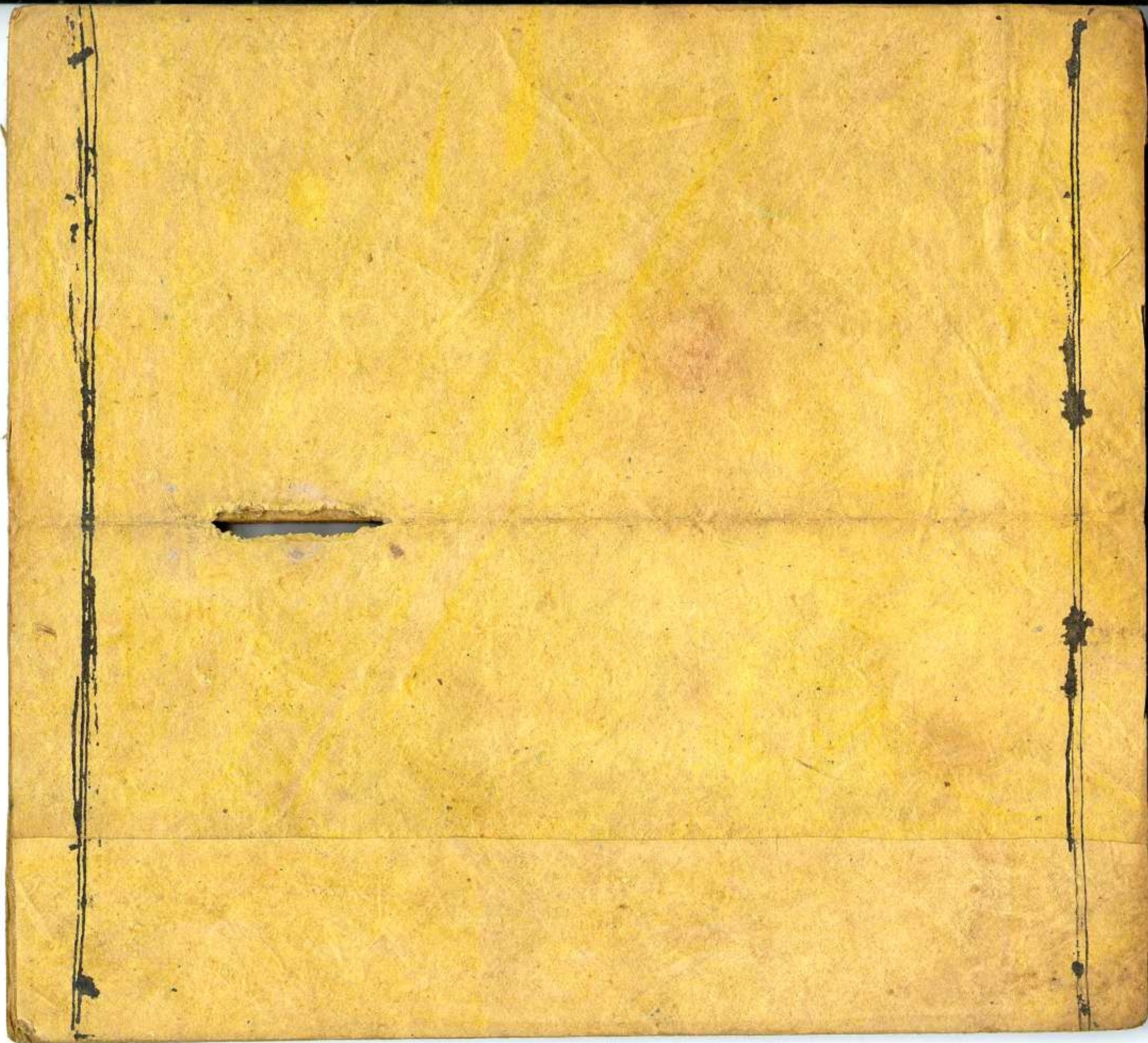
था वलिङ्गुकर साहा ॥ सर्वेथा हतथा वलिङ्गुकर सा
हा ॥ वलिहायक ॥ नं समरुमनु यिथ सिं हासनयी ०
यी ॥ नययी ० कृणायकृण सदा हायस दारु दिवसि
द्विसमयचक्रयादकां यृज्यामि वलिङ्गुकर साहा ॥
नं उक्ता नृकं उक्लिचि नृ तत्सर्वं नृ हि दयाय नम वलि
गृङ्गुकर साहा ॥ विन्दु ॥ अतस्वां च्छाय ॥ वलिसं ॥ दव

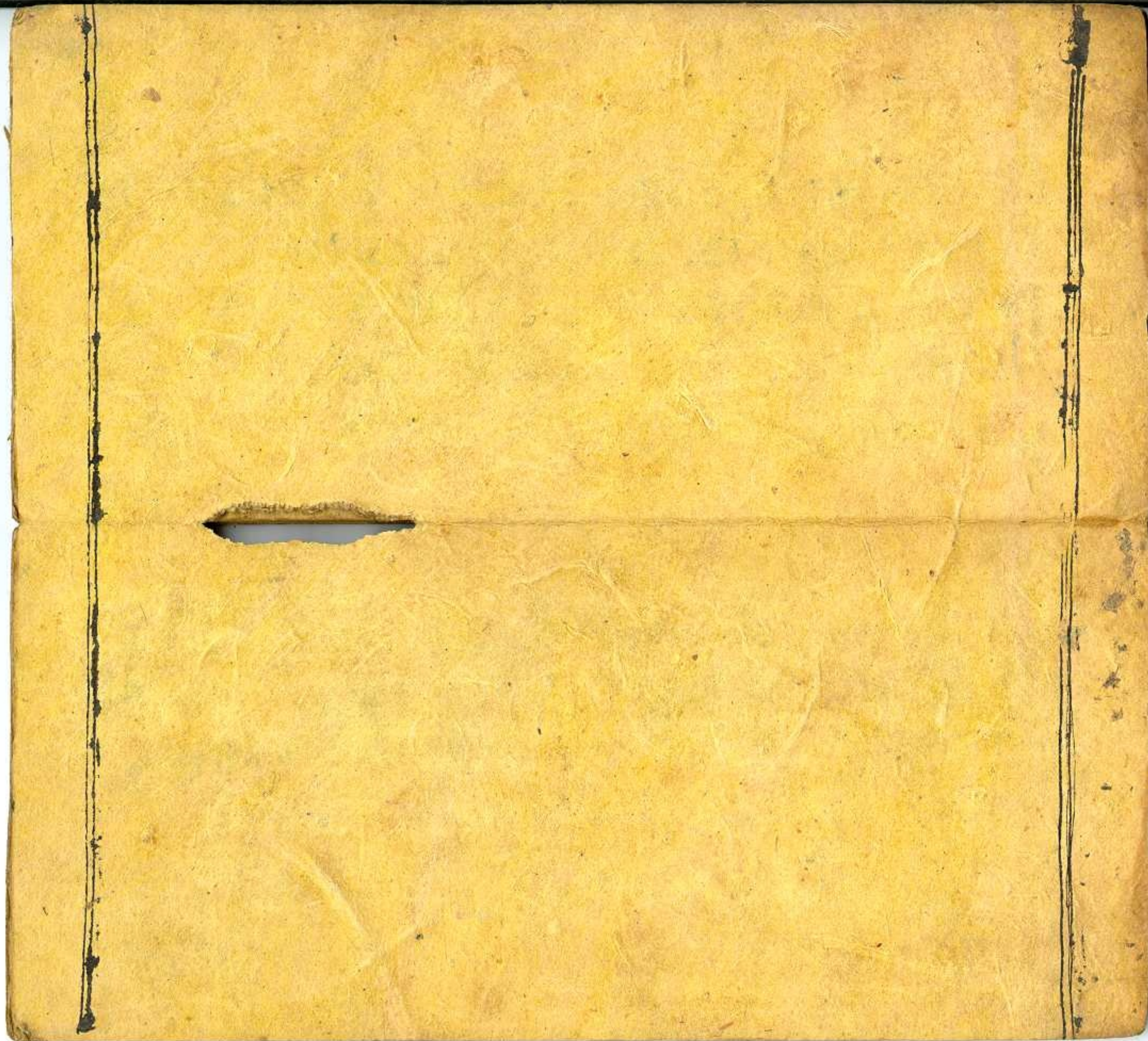
याक ॥ न विद्यच्छाय ॥ त्रिथच्छाय ॥ तथ्यनयाय ॥ दवा ॥
* नं ह्यां मूर्तिगीकृद्विकृष्यनशीकृद्विकृष्यनीदवितथ्य
* या मूर्तिमीनम ॥ ३ ॥ सहिवनिसंतय ॥ विन्दु ॥
तता मूर्तिजाययाय ॥ अद्या संखया नखन हाय
अद्यायागुंलिसाकचाय ॥ अतस्वांतय ॥ ॐ ३
शीर्दि ३ गल्ल ३ मूलं ह्यां मूर्ति १०८ ॥ ॐ दऊयंगुहा

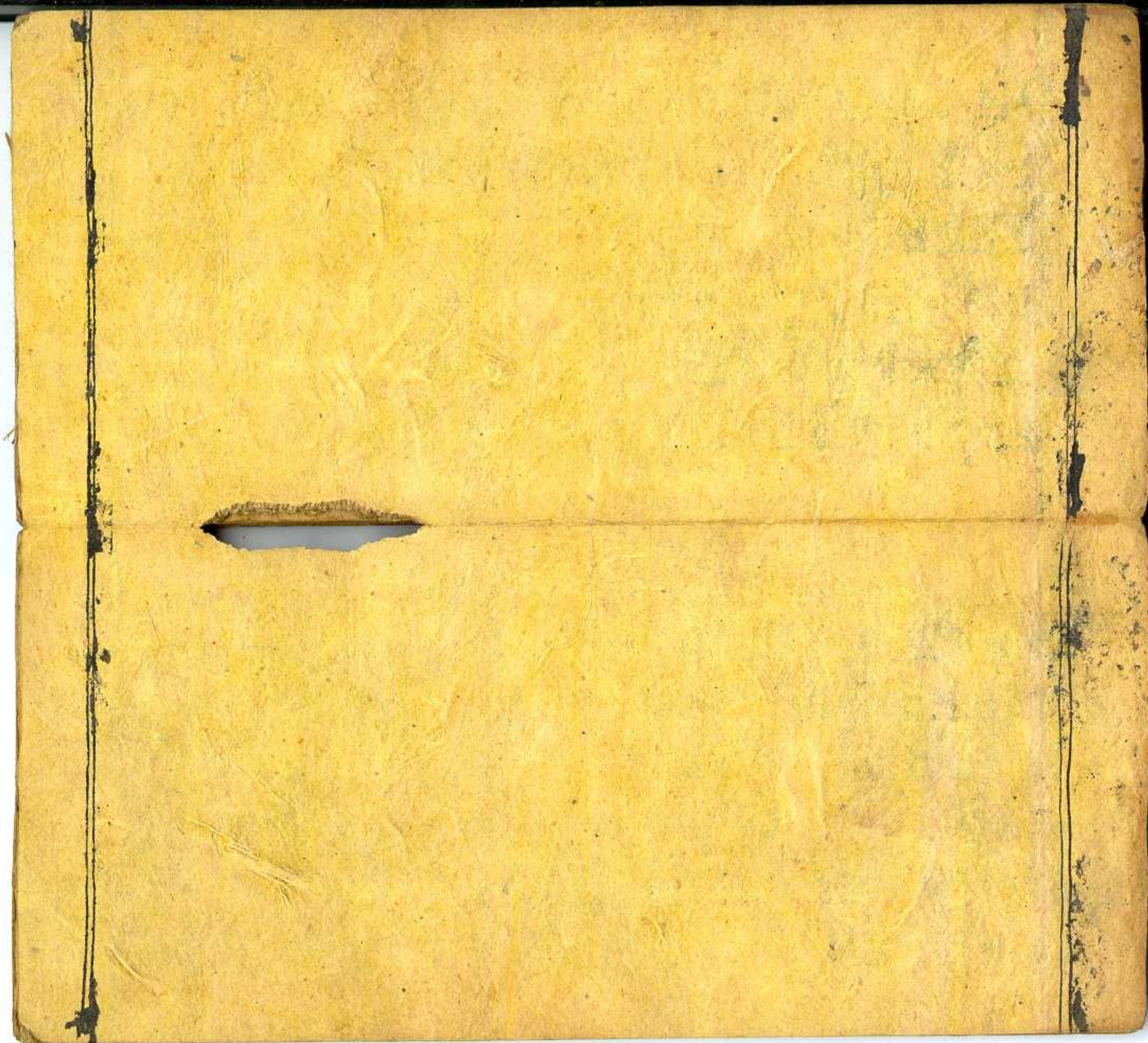
नस्त्रादा ॥ ॥ गुरुर्मंदनदयका ॥ स्त्राठ या य ॥ ७ ॥
श्री कृष्णकृष्ण नायनम ॥ ७ ॥ श्री गुरुस्थानम ॥ अखंडमंद
नाकालं, आर्यं च नचनचलं, तत्तुदं दर्शितं च न, तस्मै श्री
गुरुवे नम ॥ श्री गुर्यादकार्या नम ॥ नंका नासनमात्रदा
वज्रयद्वायनि स्त्रिणा, सर्वकालगतां दविशी कृष्णिकां
नमाम्यहं ॥ अयनाधसहस्रानि, कृतं हविर्संमया, दा

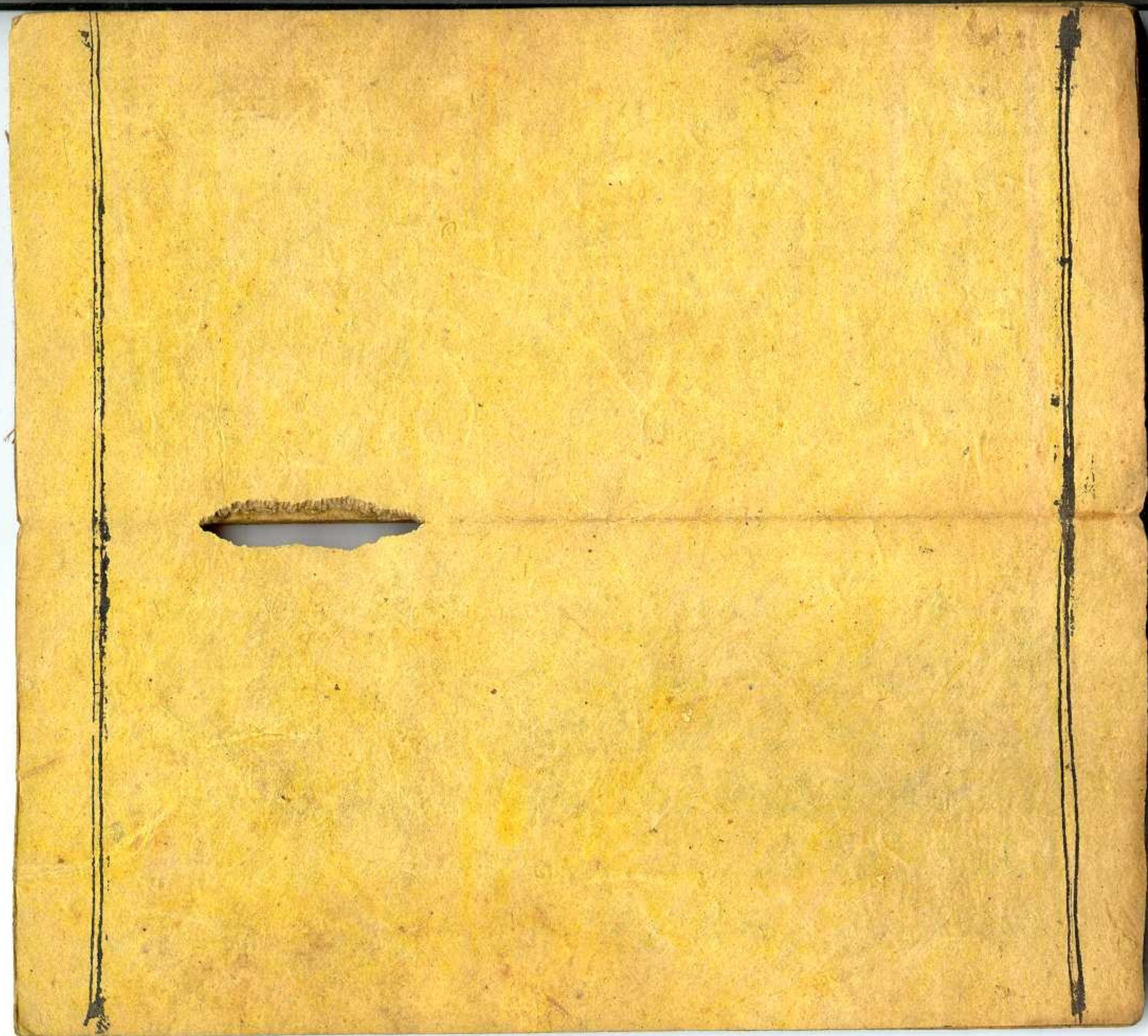
साहंमितिमामला, कृमस्वयनमभवन ॥ अस्मत्तित्थो
येतविधूतस्वर्वविधियलियुधुनमसु ॥ ज्ञानिमुदान
नमस्त्रायाय ॥ ७ ॥ विन्द ॥ ज्ञा कित्ताडा सिनसकोका
य ॥ अर्द्धाया संखया नंखन, मिखायिय, अर्द्धयाठ या
गुलिंहाय, चतनतिय, ज्ञा कित्ताडा, गुरुर्मंदया गु
दवयागु स्थानं कृत, त्वां सौं श्री श्री कृष्णकृष्ण नायन श्री कृष्ण

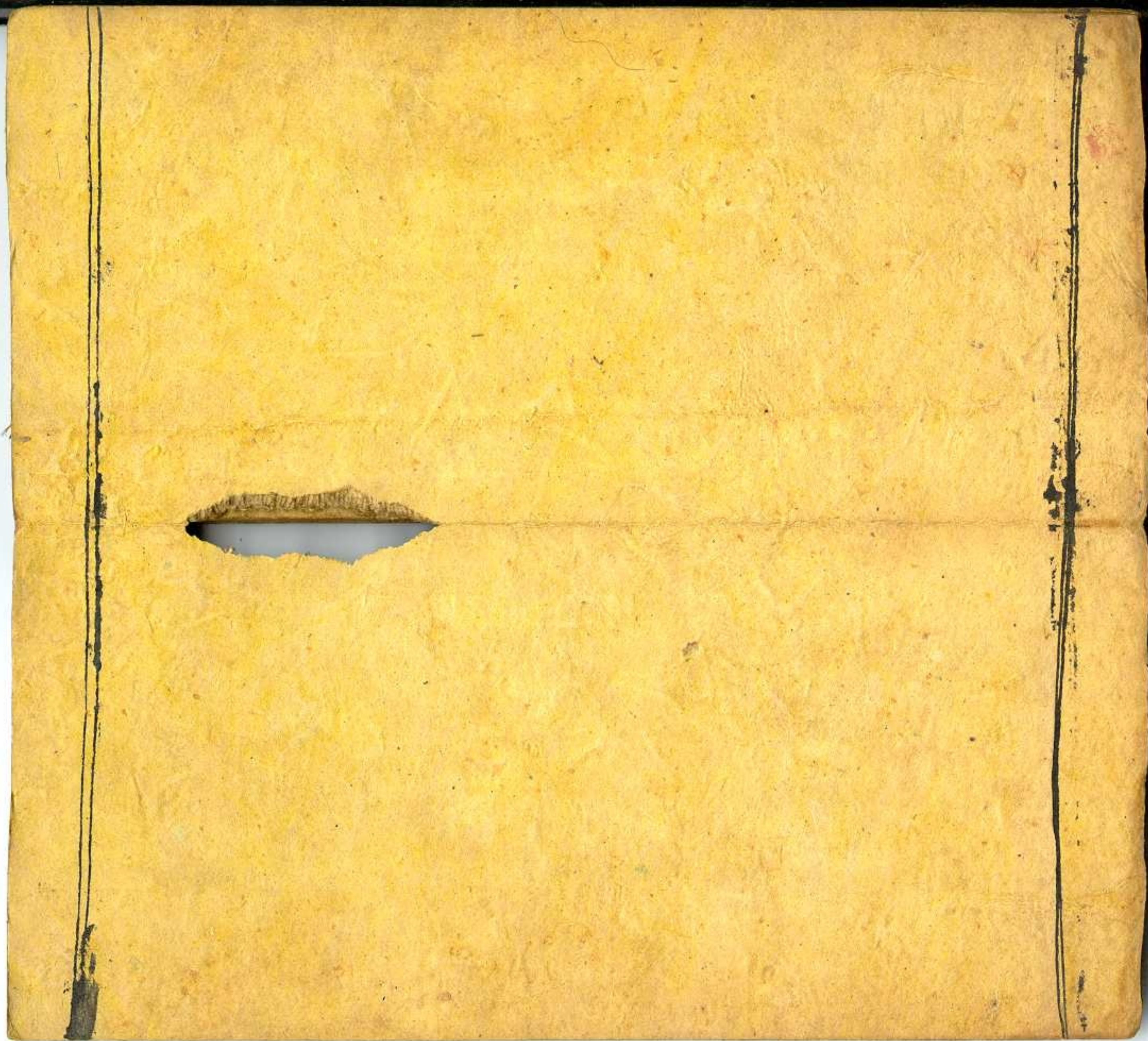














आम मरुति
ASHA ARCHIVES

3174



ॐ नमो धीकृद्विकार्ये ॥ ॥ मालक वाय ॥ ॥ सूर्याय
काँकाँस ४ धी सूर्याय जर्ध नमः ॥ ॥ यूप्यं नमः ॥ ॥
गुनमंदल पूजा ॥ ॥ जूख

ॐ नमो धीस्वष्टदवगाय ॥ * ॥ दूपां माका वाय चतस्व
नक्रल ॥ ॥ नासिय ॥ काँजात्मनत्वाय स्वाहा ॥ काँवि *
द्यानत्वाय स्वाहा ॥ काँशिवनत्वाय स्वाहा ॥ ॥ जर्ध नमः
याद्ययाय ॥ ॥ ॐ काँकाँस ४ धी सूर्याय जर्ध नमः ॥
यूप्यं नमः ॥ ॥ गुनमधुलयाय ॥ जूखधुमधुलाक
त्रं वायं ऊनचनंचनं । तस्य दंदष्टं तं यन तस्मै धी गुन

वनमः॥ ॥ धीपादूकायां नमः॥ ॥ नमस्कात्रयाय॥
थस्वानकायाऽच्युय॥ ॥ वलिसजासनतय॥ ॥ नयन्न
सनायपादूकां पूजयामि॥ पागस॥ ॥ नयन्नसनायपायूश॥
थडात॥ ॥ नयन्नकर्मसनायपायूश॥ ॥ जडाखडा, कर्तन॥
क० जन्माय रुढ॥ वक्रमकृतमूडान, थडाखात्रस, वि
काधवाय॥ ॥ नयन्नरुढवक्रयश्चलैस्वाहा॥ ॥ नयन्नगुलान

दछात्रुं न॥ वलं मं कू लं कू नं मं चं नं कू रुढ स्वाहा
तता न्यासः॥ हाडायाडा॥ गुं गुत्र वनम॥ गंग (ध) भय
नम॥ ॥ नयन्नं श्री श्री श्री कृष्ण कृष्ण नी कृष्ण वताथे नम॥ ॥
दिगव श्री श्री श्री न॥ ॥ कृष्ण साय रुढ १०॥ ॥ धाधम
याय॥ ॥ नयन्नं नयन्नं नयन्नं ॥ चतननाहातीसवृच॥
कृष्ण साय रुढ॥ ॥ कृष्ण जंगुषायां नम॥ ॥ दिंतकृ

नीत्यां स्वाहा । कुंम धमायां वषट् । कुंजनामिकायां कुं ॥
कुं क निष्ठायां वोषट् ॥ कुं ४ कलन न वृषायां जस्त्राय
रुट् ॥ कुं द दयाय नमः ॥ कुं भि नमस्वाहा ॥ कुं स्वाय वोष
ट् ॥ कुं क वचाय कुं ॥ कुं न ग ग्याय वोषट् ॥ कुं ४ जस्त्राय
रुट् १० ॥ * ॥ जघा यूजा ॥ नै हं जलयाग यायू ॥ * ॥
कुं द दयादि ६ ॥ चंदनाक्रनयूष्यं नमः ॥ धनू मूद्रा

वै जस्त्राय रुट् १० ॥ * ॥ गंख यूजा ॥ नै हं व वृक्षयाग *
यायू ॥ लंख धेन ॥ नै व वृक्षययायू ॥ यूजा ॥ कुं द द
यादि ६ ॥ गंख मूद्रा ॥ कुं ४ जस्त्राय रुट् १० ॥ ॥ गीर्थ साध
न ॥ शुद्धि साधन ॥ * ॥ जघा याग यूजा ॥ नै मूणी यायू ॥
विकूट मूद्रा ६ । त्रिका ६ शाय ॥ नै सां द दयाय नमः ॥
सां भि नमस्वाहा ॥ सूं भि स्वाय वषट् ॥ सूं ३ क वचाय

दूँ॥ भो नृगुण्यावोषट्॥ स४ नृसुय रुट्॥ ॥ चंदन
कृतपूष्यं नम४॥ था निमडा॥ ॥ रतु धु दि॥ कचुप
मडान॥ नें कौं धीं कुं कौं कौं कुं धीं कौं नें॥ नगु का अ
वाय॥ लाहान सिय ॥ ॥ ज्ञा त्मयुजा॥ धमधनन
नय॥ नें च न्य नें नम४॥ कौं जृक नें नम४॥ धीं सि नू वं न
म४॥ कुं भा ह नी नम४॥ कौं पूष्यं नम४॥ ग यां ऊ लि ३

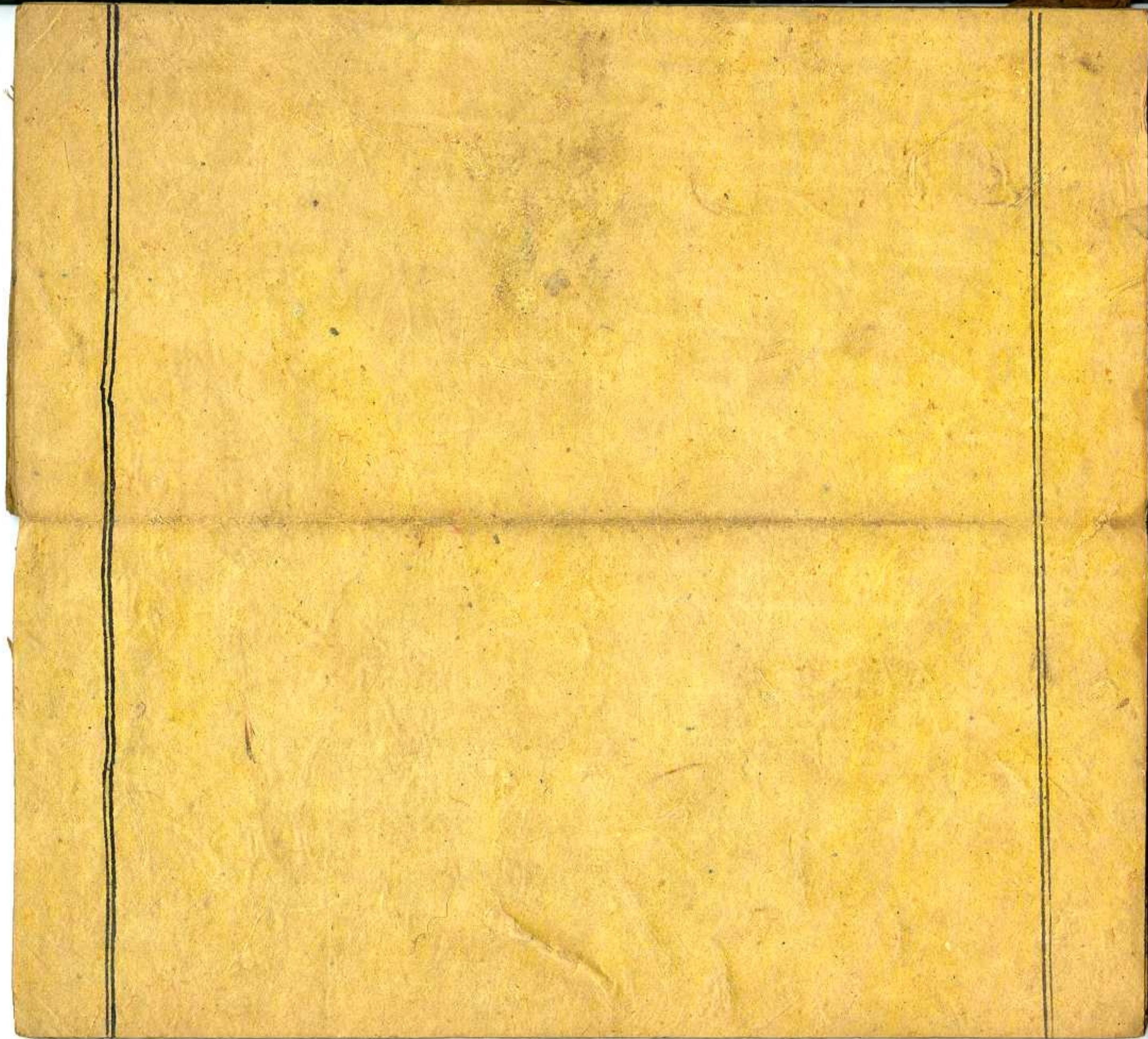
॥ नें कौं मूँ स्वात्मन यायु१॥ वलिंगु क २ स्वाहा॥ ॥
३॥ नें कौं मूँ गु नू न र्ये ६॥ नें स्वाहा धी गु नू न र्ये या मि॥
॥ विंदु विय॥ नें नम धी ना थय॥ नें सिद्धि ना
थय॥ नें नम धी कू ऊ ण ना थय॥ कौं यादू कां पू ऊ
यामि॥ ॥ यं च वलि विय॥ नें वां वदू के ना थय वलिंगु
क २ स्वाहा॥ कौं कू गु या नाय वलिंगु क २ स्वाहा॥ यां था मि

नीत्यावलिंगुक्त २स्वाहा॥चौं वामुधुमथेवलिंगुक्त २स्वाहा
॥गर्भगद्यनथवलिंगुक्त २स्वाहा॥ ॥विंदू ३ विय॥
दवधियाडाजावाहन॥नं नुक्कहिदवदवसि, कुद्रिक
यनमध्यनी।यावद्वेयिगठक, सान्निध्यं कुतुसिद्धिद
॥ ॥जामननय॥नं न रास्नायपायू॥क॥कौं क













الحمد لله الذي هدانا لهذا
ما كنا لنهتدي لولا أن هدانا الله

والحمد لله

والحمد لله

